4. अलंकार

अभ्यास-कार्य

पृष्ठ संख्या–240

उत्तर–

4.1. यमक तथा श्लेष अलंकार में अंतर

यमक		श्लेष	
●	इसमें एक शब्द का प्रयोग एक से अधिक बार होता है, पर प्रत्येक के अलग-अलग अर्थ होते हैं; जैसे–'कनक-कनक' ते सौगुनी मादकता अधिकाय।' यहाँ पहले 'कनक' का अर्थ धतुरा है तथा दूसरे 'कनक' का अर्थ 'सोना' है।	●	'इसमें किसी शब्द का प्रयोग एक बार ही होता है, पर उसके एक से अधिक अर्थ निकलते हैं; जैसे–'मंगन को देखि, पट देति बार-बार है।' यहाँ पर शब्द के दो अर्थ हैं–'दरवाज़ा तथा वस्त्र।'

4.2. रूपक तथा उत्प्रेक्षा अलंकार में अंतर

रूपक		उत्प्रेक्षा	
●	रूपक अलंकार के अंतर्गत उपमेय में उपमान का भेद रहित आरोपण किया जाता है; जैसे–चरण-कमल बंदौ हरिराई।' यहाँ उपमेय 'चरण' पर उपमान 'कमल' का आरोपण किया गया है।	●	जबकि उत्प्रेक्षा अलंकार के अंतर्गत उपमेय में उपमान की संभावना प्रकट की जाती है; जैसे–'सोहत ओढ़े पीत-पट श्याम सलोने गात। यहाँ श्रीकृष्ण के श्यामल शरीर पर पीत-पट में प्रातःकालीन धूप की संभावना प्रकट की गई है।

4.3. शब्दालंकार तथा अर्थालंकार में अंतर–

शब्दालंकार	अर्थालंकार
● जो अलंकार शब्दों के माध्यम काव्यों को अलंकृत करते हैं, उन्हें शब्दालंकार कहते हैं; जैसे– 'काली घटा का घमंड घटा' यहाँ पहले 'घटा' का अर्थ काले बादलों का समूह है तो दूसरा 'घटा' कम होने का अर्थ व्यक्त कर रहा है।	● काव्य में जहाँ शब्दों के अर्थ से चमत्कार उत्पन्न होता है वहाँ अर्थालंकार होता है; जैसे– सागर-सा गंभीर हृदय हो, गिरी-सा ऊँचा हो जिसका मन। यहाँ अर्थ के स्तर पर सौंदर्य देखने को मिलता है।

5. उदाहरण–

1. श्लेष – रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून।।

2. उत्प्रेक्षा – कहती हुई यों उत्तरा के नेत्र जल से भर गए।
हिमकणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।।

3. अतिशयोक्ति –आगे नदिया पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार।
राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार।।

4. मानवीकरण– सिंधु-सेज पर धरा-वधू अब
तनिक संकुचित बैठी-सी।
प्रलय निशा की हलचल स्मृति में
मान किए-सी ऐंठी-सी।

6. 1. उत्प्रेक्षा अलंकार
2. मानवीकरण अलंकार
3. अतिशयोक्ति अलंकार
4. मानवीकरण अलंकार
5. श्लेष अलंकार
6. उत्प्रेक्षा अलंकार
7. मानवीकरण
8. अतिशयोक्ति अलंकार

7. 1. मानवीकरण अलंकार
2. उत्प्रेक्षा अलंकार
3. श्लेष अलंकार
4. उत्प्रेक्षा अलंकार
5. उत्प्रेक्षा अलंकार
6. श्लेष अलंकार
7. अतिशयोक्ति अलंकार
8. उत्प्रेक्षा अलंकार
9. श्लेष अलंकार
10. मानवीकरण अलंकार
11. मानवीकरण अलंकार
12. अतिशयोक्ति अलंकार
13. उपमा अलंकार
14. उत्प्रेक्षा अलंकार
15. उत्प्रेक्षा अलंकार
16. अतिशयोक्ति अलंकार
17. मानवीकरण अलंकार
18. अतिशयोक्ति अलंकार

❑❑❑